संशोधित पाठ्यक्रम

बी. ए. भाग–1

हिन्दी साहित्य

**प्रथम– प्रश्न पत्र**

**(प्राचीन हिन्दी काव्य)** **पूर्णांक 75**

(पेपर कोड– 0103)

उद्देश्य एवं प्रस्तावना–

**प्राचीन से तात्पर्य है– आधुनिक काल से पूर्व का काल। सही अर्थ में हिन्दी भाषा और साहित्य का विकास आदिकाल से शुरू होता है। इसमें धार्मिक तथा ऐतिहासिक दो प्रकार का साहित्य मिलता है, जो प्रबंध, मुत्तक, रासो, फागु, चरित, सुभाषित आदि विविध काव्यरूपों में अभिव्यंजित है। मध्यकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि के रूप में इसे प्रतिष्ठापित किया जाता है।**

मध्यकालीन काव्य में भक्तिकाव्य, जहां लोक जागरण को स्वर देने वाला है, वहीं रीतिकाल अपने लौकिक– श्रृंगारिका, परिदृश्य में तत्कालीन सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक स्थितियों को बेलौस अभिव्यंजित करता है। अतः भाषा, संस्कृति, विचार, मानवता, काव्यरूपता, लौकिकत– पारलौकिकता, आदि दृष्टियों से इसका अध्ययन अत्यावश्यक है।

पाठ्य विषय–

1. कबीर (कबीर– कांतिकुमार जैन, प्रारंभिक 50 साखियाँ)
2. जायसी– (संक्षिप्त पद्मावत– श्यामसुंदर दास, नागमती वियोग वर्णन)
3. सूर (भ्रमर गीत सार– सं. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, प्रारंभिक 25 पद)
4. तुलसी – "रामचरित मानस" के सुंदरकाण्ड से प्रारंभिक 30 दोहे चौपाई छंद साहिंत
5. घनानन्द (घनानन्द– सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, प्रारंभिक 25 छंद)

   द्रुत पाठ हेतु निम्नांकित तीन कवियों का अध्ययन किया जावेगा– जिसमें से किन्हीं दो पर लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे–

1. विद्यापति
2. रहीम
3. रसखान

अंक विभाजन–

1. व्याख्याएँ (3) – 21 अंक
2. आलोचनात्मक प्रश्न (2) – 24 अंक
3. लघुउत्तरीय प्रश्न (5) – 15 अंक
4. वस्तुनिष्ठ प्रश्न (15) – 15 अंक



Scanned with CamScanner

संशोधित
बी. ए. भाग–1
हिन्दी साहित्य
द्वितीय– प्रश्न पत्र
हिन्दी कथा साहित्य                                    पूर्णांक 75
(पेपर कोड– 0104)

**उद्देश्य एवं प्रस्तावना–**

गद्य की प्रमुख विधाओं का इतना द्रुत विकास इनकी लोकप्रियता का प्रमाण प्रस्तुत करता है। इसमें आधुनिक जीवन, अपनी विविध कमियों के साथ यथार्थ रूप में अभिव्यंजित हुआ है। जीवन की अनुभूतियाँ, संवेदनाओं तथा विविध परिस्थितियों के साक्षात्कार के लिए इनका अध्ययन सर्वथा अपेक्षित है।

**पाठ्य विषय–**

व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए एक उपन्यास एवं आठ कहानीकारों की एक– एक प्रतिनिधि कहानी का अध्ययन आवश्यक है।

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| उपन्यास | 1. | प्रेमचंद | – | गबन |
| कहानी | 1. | प्रेमचंद | – | कफन |
| | 2. | जयशंकर प्रसाद | – | आकाश दीप |
| | 3. | यशपाल | – | परदा |
| | 4. | फणीश्वनाथ रेणु | – | ठेस |
| | 5. | मोहन राकेश | – | मलबे का मालिक |
| | 6. | भीष्म साहनी | – | चीफ की दावत |
| | 7. | गुलशेर खाँ शानी | – | जली हुई रस्सी |
| | 8. | रांगेय राघव | – | गदल |

द्रुत पाठ के लिए निम्नांकित तीन कथाकारों का अध्ययन अपेक्षित है, जिनमें से किन्हीं दो पर लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जावेंगे–

1. उपेन्द्रनाथ अश्क, 2. बाल शौरि रेड्डी 3. शिवानी

| | | |
|---|---|---|
| अंक विभाजन– | व्याख्या (3) | 21 अंक |
| | आलोचनात्मक प्रश्न (2) | 24 अंक |
| | लघुउत्तरीय प्रश्न (5) | 15 अंक |
| | वस्तुनिष्ठ प्रश्न (15) | 15 अंक |



Scanned with CamScanner

संशोधित

बी. ए. भाग–2

हिन्दी साहित्य

**प्रथम प्रश्न पत्र**

अर्वाचीन हिन्दी काव्य (पेपर कोड– 0173) पूर्णांक– 75

प्रस्तावना– आधुनिक काव्य आधुनिकता की समस्त विशेषताओं को समेटे हुए है। स्वतंत्रता प्राप्ति के पूर्व की भाव– भाषा, शिल्प, अन्तर्वस्तु सम्बन्धी समस्त विकास धारा यहां सजीव रूप में देखी जा सकती है। इसे अनदेखा करना मनुष्य की विकास यात्रा को नजर अंदाज करना है। इस यात्रा के साक्षात्कार के लिए आधुनिक काव्य का अध्ययन अपेक्षित ही नहीं अपितु अनिवार्य हैं।

पाठ्य विषय–

1. मैथिलीशरण गुप्त – भारत– भारती की कविताएँ
2. सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला –
   (1) सखि बसन्त आया।
   (2) वर दे, वीणा वादिनी वर दे।
   (3) हिन्दी के सुमनों के प्रति पत्र।
   (4) तोड़ती– पत्थर।
   (5) राजे ने अपनी रखवाली की।
3. सुमित्रानंदन पंत –
   (1) बादल।
   (2) परिवर्तन 2 पद (1.खोलता इधर जन्मलोचन
   2. आज का दुख कल का आल्हाद)
   (3) ताज।
   (4) झंझा में नीम।
   (5) भारत माता।
4. माखन लाल चतुर्वेदी –
   (1) बलि पंथी से ।
   (2) साँझ और ढोलक की थापें।
   (3) मैं बेच रही हूँ, दही।
   (4) उलाहना।
   (5) निः शस्त्र सेनानी।
5. स. ही. वात्स्यायन अज्ञेय –
   (1) सबेरे उठा तो धूप खिली थी।
   (2) साम्राज्ञी का नैवेद्य दान।
   (3) घर।
   (4) चांदनी जी लो।
   (5) दूर्वांचल।

द्रुतपाठ हेतु निम्न कवियों का अध्ययन किया जाएगा, जिन पर लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे–



Scanned with CamScanner

1. अयोध्या सिंह उपाध्याय ''हरिऔध''।
2. सुभद्रा कुमारी चौहान।
3. श्रीकांत वर्मा।

अंक विभाजन—

| | | |
|---|---|---|
| व्याख्याएं (3) | – 21 अंक |
| आलोचनात्मक प्रश्न (2) | – 24 अंक |
| लघुउत्तरीय प्रश्न (5) | – 15 अंक |
| वस्तुनिष्ठ (15) | – 15 अंक |
| कुल अंक | 75 अंक |

इकाई विभाजन—

इकाई– 1 व्याख्या

इकाई– 2 गुप्त, निराला

इकाई– 3 पंत, चतुर्वेदी, अज्ञेय

इकाई– 4 द्रुतपाठ के कवि एवं आधुनिक काव्य धारा का इतिहास (राष्ट्रीय काव्य धारा, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता)

इकाई– 5 वस्तुनिष्ठ (सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से)



Scanned with CamScanner

संशोधित

बी. ए. भाग–2

हिन्दी साहित्य

द्वितीय प्रश्न पत्र

हिन्दी निबंध तथा अन्य गद्य विधाएँ(पेपर कोड– 0174) पूर्णाक– 75

पाठ्य विषय–

व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए एक नाटक, पांच प्रतिनिधि निबंध और पाँच एकांकी का निर्धारण किया गया है।

नाटक– अंधेरी नगरी– भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

| | | |
|---|---|---|
| निबंध– | 1. क्रोध | – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल। |
| | 2. बसन्त | – डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी। |
| | 3. उस अमराई ने राम– राम कही है | – डॉ. विद्यानिवास मिश्र। |
| | 4. काव्येषु नाट्यम रम्यम् | – बाबू. गुलाब राय। |
| | 5. बेईमानी की परत | – हरिशंकर परसाई |
| एकांकी– | 1. औरंगजेब की आखिरी रात | – डॉ. रामकुमार वर्मा |
| | 2. स्ट्राईक | – भुनेश्वर |
| | 3. एक दिन | – लक्ष्मीनारायण मिश्र |
| | 4. दस हजार | – उदयशंकर भट्ट |
| | 5. मम्मी ठकुराईन | – डॉ. लक्ष्मीनारायण लाल |

द्रुत पाठ के लिए तीन गद्यकारों का अध्ययन किया जायेगा, जिन पर लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे।

1. राहुल सांकृत्यायन 2. महादेवी वर्मा 3. हबीब तनवीर

| | | |
|---|---|---|
| अंक विभाजन– | व्याख्याएं (3) | – 21 अंक |
| | आलोचनात्मक प्रश्न (2) | – 24 अंक |
| | लघुउत्तरीय प्रश्न (5) | – 15 अंक |
| | वस्तुनिष्ठ (15) | – 15 अंक |
| | कुल अंक | 75 अंक |

इकाई विभाजन–

इकाई– 1 व्याख्या

इकाई– 2 अंधेरी नगरी एवं क्रोध, वसन्त, उस अमराई ने राम– राम कही हैं।

इकाई– 3 औरंगजेब की आखिरी रात, स्ट्राईक, एक दिन, दस हजार, मम्मी ठकुराईन

इकाई– 4 द्रुतपाठ के गद्यकार– राहुल सांकृत्यायन, महादेवी वर्मा, हबीब तनवीर।

इकाई– 5 वस्तुनिष्ठ (समग्र पाठ्य विषय से )



Scanned with CamScanner

संशोधित पाठ्यक्रम

बी. ए. भाग– 3

हिन्दी साहित्य

**प्रथम प्रश्न पत्र**

जनपदीय भाषा– साहित्य (छत्तीसगढ़ी)

(पेपर कोड– 0233)

प्रस्तावना–

हिन्दी केवल खड़ी बोली नहीं है, बल्कि एक बहुत बड़ा भाषिक समूह है। हिन्दी जगत में अनेक विभाषाएं, बोलियाँ और उपबोलियाँ विद्यमान हैं जिनमें सकल साहित्य सम्पदा है। इनके सम्यक अध्ययन और अन्वेषण की आवश्यकता है। जनपदीय भाषा छत्तीसगढ़ी निरन्तर विकास की ओर अग्रसर हो रही है अस्तु, इस भाषा का और इसमें रचित साहित्य का इतिहास– विकास स्पष्ट करते हुए इनसे संबंधित प्रमुख रचनाकारों का आलोचनात्मक अनुशीलन करना हिन्दी के वृहत्तर हित में होगा। छत्तीसगढ़ी भाषा का पाठ्यक्रम निम्न बिन्दुओं पर आधारित हैं–

(क) छत्तीसगढ़ी भाषा का इतिहास– विकास

(ख) छत्तीसगढ़ी भाषा में रचित साहित्य का इतिहास

(ग) छत्तीसगढ़ी भाषा के प्रमुख प्राचीन एवं अर्वाचीन रचनाकारों की कृतियों का अध्ययन।

पाठ्य विषय–

रचनाएँ–

(1) प्राचीन कवि संत धर्मदास के 3 पद

1. गुरू पइंया लागों नाम लखा दीजो हो।
2. नैना आगे ख्याल घनेरा।
3. भजन करौ भाई रे, अइसन तन पाय के।

(सन्दर्भ– धर्मदास के शब्दावली से उदधृत)

(2) लखनलाल गुप्त का गद्य–

1. सोनपान

(गद्य– पुस्तक' सोनपान' के उदधृत)

(3) अर्वाचीन रचनाकार

डॉ. सत्यभामा आडिल रचित गद्य

1. सीख सीख के गोठ

(गद्य पुस्तक 'गोठ' के उदघृत)

(4) डॉ. विनय पाठक की कविताएँ–

1. तँय उठथस सुरूज उथे
2. एक किसिम के नियाव

('अकादसी और अनचिन्हार' पुस्तक से उदधृत)



Scanned with CamScanner

(5) मुकुन्द कौशल– छत्तीसगढ़ी गजल

''छै बित्ता के मनखे देखों....... से– मछरी मन लाख लेथे'' तक

(पुस्तक' छत्तीसगढ़ी गजल' के पृष्ठ 17 से उद्‌धृत)

द्रुतपाठ के रचनाकार– (व्यक्तित्व एवं कृतित्व)

1. सुन्दर लाल शर्मा
2. कपिलनाथ कश्यप
3. रामचन्द्र देशमुख (रंगकर्मी)

अंक विभाजन–

| | |
|---|---|
| व्याख्याएं (3) | – 21 अंक |
| आलोचनात्मक प्रश्न (2) | – 24 अंक |
| लघुउत्तरीय प्रश्न (5) | – 15 अंक |
| वस्तुनिष्ठ (15) | – 15 अंक |
| कुल अंक | 75 |

इकाई विभाजन

| | | |
|---|---|---|
| इकाई एक | – | व्याख्या |
| इकाई दो | – | प्राचीन एवं अर्वाचीन रचनाकार |
| इकाई तीन | – | (अ) छत्तीसगढ़ी भाषा का इतिहास<br>(ब) छत्तीसगढ़ी साहित्य का इतिहास |
| इकाई चार | – | द्रुत पाठ के तीन रचनाकार |
| इकाई पाँच | – | वस्तुनिष्ठ / (सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से) |



Scanned with CamScanner

संशोधित पाठ्यक्रम

बी.ए. भाग– 3

द्वितीय प्रश्न पत्र

हिन्दी भाषा– साहित्य का इतिहास तथा काव्यांग विवेचन

(पेपर कोड– 0234)

प्रस्तावना–

हिन्दी भाषा का इतिहास जितना प्राचीन है, उतना ही गुढ़– गहन भी। इसमें रचित साहित्य ने लगभग डेढ़ हजार वर्षो का इतिहास पूरा कर लिया है इसलिए हिन्दी भाषा और साहित्य के ऐतिहासिक विवेचन की बड़ी आवश्यकता है। इसी के साथ– साथ हिन्दी ने अपना जो स्वतंत्र साहित्य शास्त्र निर्मित किया हैं, उसे भी रूपायित करने की आवश्यकता है। इसके संज्ञान द्वारा विद्यार्थी की मर्मग्राहिणी प्रतिभा का विकास होगा और ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में शुद्ध साहित्यिक विवेक का सन्निवेश होगा।

पाठ्य विषय–

(क) हिन्दी भाषा का स्वरूप विकास– हिन्दी की उत्पत्ति, हिन्दी की मूल आकर भाषाएँ तथा विभिन्न विभाषाओं का विकास। हिन्दी भाषा के विभिन्न रूप–

1. बोलचाल की भाषा
2. रचनात्मक भाषा
3. राष्ट्रभाषा
4. राजभाषा
5. सम्पर्क भाषा
6. संचार भाषा

हिन्दी का शब्द भण्डार– तत्सम, तद्भव, देशज, आगत शब्दावली।

(ख) हिन्दी साहित्य का इतिहास :– आदिकाल, पूर्व मध्यकाल, उत्तर मध्यकाल और आधुनिक काल की सामाजिक , सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, प्रमुख युग प्रवृत्तियाँ, विशिष्ट रचनाकार और उनकी प्रतिनिधि कृतियाँ, साहित्यिक विशेषताएँ।

| | | |
|---|---|---|
| (ग) काव्यांग | – | काव्य का स्वरूप एवं प्रयोजन।<br>रस के विभिन्न भेद, विभिन्न अंग, विभावादि तथा उदाहरण। |
| प्रमुख 5 छंद | – | दोहा, सोरठा, चौपाई, कुण्डलियाँ, सवैया। |
| शब्दालंकार | – | अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, पुररूक्ति प्रकाश। |
| अर्थालंकार | – | उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति, भ्रांतिमान। |

संदर्भ ग्रन्थ–

(1) हिन्दी साहित्य का इतिहास संपादक– डॉ. सुशील त्रिवेदी व बाबूलाल शुक्ल (प्रकाशक– म. प्र. उ. शि. अनुदान आयोग)

(2) राजभाषा हिन्दी– मलिक मोहम्मद (प्रभात प्रकाशन दिल्ली)



Scanned with CamScanner

(3) हिन्दी भाषा– डॉ. भोलानाथ तिवारी।

अंक विभाजन–

| | |
|---|---|
| आलोचनात्मक (4) | – 44 अंक |
| लघुउत्तरीय प्रश्न (4) | – 16 अंक |
| वस्तुनिष्ठ प्रश्न (15) | – 15 अंक |
| | कुल अंक– 75 अंक |

इकाई विभाजन–

इकाई– 1 हिन्दी भाषा का स्वरूप– विकास– (खण्ड– 'क')

इकाई– 2 हिन्दी का शब्द भण्डार– (खण्ड 'क' का अंतिम भाग)

इकाई– 3 हिन्दी साहित्य का इतिहास– (खण्ड– ख)

इकाई– 4 काव्यांग– रस, छंद, अंलकार (भाग– ग)

इकाई– 5 लघुउत्तरीय एवं वस्तुनिष्ठ प्रश्न (सम्पूर्ण पाठ्यकम से)



Scanned with CamScanner